Department of Yoga Science
University of Patanjali, Haridwar

कार्यशाला प्रतिवेदन
समग्र स्वास्थ्य के लिए भारतीय ध्यान पद्धति
Indian Meditation System for Holistic Health (18-19 August 2023)

प0 पू0 स्वामी रामदेवजी एंव **प0पू0 आचार्य बालकृष्ण** जी की संकल्प स्थली पतंजलि योगपीठ के निकाय पतंजलि विश्वविद्यालय योग विज्ञान विभाग के आयोजकत्व में **दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाल– समग्र स्वास्थ्य के लिए भारतीय ध्यान पद्धति** (Indian Meditation System for Holistic Health) विषय पर 18–19 अगस्त 2023 को आयोजित की गई। इस कार्यशाला के आयोजन हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अर्न्तविश्वविद्यालयीन योग विज्ञान केन्द्र, (यू0जी0सी0 आई0यू0सी0–वाई0एस0) भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय ने वित्तीय अनुदान प्रदान किया।

इस कार्यशाल में कुल **10 सत्रों** का आयोजन किया गया। दिनांक 18.08.2023 को उद्घाटन सत्र् सहित 05 सत्रों का आयोजन सम्पन्न हुआ तथा दिनांक 19.08.2023 को समापन सत्र सहित 05 सत्रों का आयोजन हुआ। उद्घाटन सत्र **श्री वीरेश्वर उपाध्याय** वरिष्ठ साधक शांति कुंज, हरिद्वार (मुख्य अतिथी), एंव विशिष्ट अतिथि **स्वामी आर्ष देव जी**, **डा0 रामनारायण मिश्रा**, तथा **डा0 निधोश यादव** एंव संकायाध्यक्ष योग विज्ञान संकाय **डा0 ओमनारायाण तिवारी** की अध्यक्षता में दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यशाला का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

प्रथम दिवस 18 अगस्त 2023

सत्र I ध्यान पर कार्यशालाएँः– इस सत्र मे प्रातः 5 बजे से 6.30 बजे तक चयनित निम्नांकित 4 कार्यशालाओं में ध्यान अभ्यास सम्पन्न करवाया गया। जिसमें (1)पतंजलि योगपीठ परम्परा के ध्यान का अभ्यास **स्वामी आर्षदेव जी** द्वारा, (2) भावातीत ध्यान का परिचय अभ्यास **प्रो0डॉ0 ओमनारायाण तिवारी जी** द्वारा (3) सविता ध्यान परम्परा का अभ्यास **श्री वीरेशवर उपाध्याय** वरिष्ठ साधक शांति कुंज हरिद्वार द्वारा तथा (4)हिमालयन योग परम्परा का अभ्यास **डा0 रामनरायाण मिश्रा जी** द्वारा क्रमश ध्यान हॉल 1,2,3,4 में सम्पन्न करवाया गया। कार्यशालाओं का निरिक्षण एंव र्निदेशन भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष **प्रो0 गौरी दत्त शर्मा** एंव महर्षि महेश योगी वैदिक विशविद्यालय के कुलपति **प्रो0 भुवनेश शर्मा** ने किया।

सत्र II यज्ञ का आयोजनः– इस सत्र में योग साधना की भारतीय परम्परा के अनुसार यज्ञ का आयोजन महिला और पुरुषों प्रतिभागियों हेतु पृथक पृथक सम्पन्न हुआ। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने भाग लिया। मंत्रोचार के साथ विधिवत् यज्ञ सम्पन्न किया गया।

सत्र III पोस्टर प्रतियोगिता :– इस सत्र में कार्यशाला के विषय पर एक पोस्टर प्रजेन्टेशन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें 33 प्रतिभागियों ने 07 विषयों पर अपने प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किये, जिसमें प्रथम स्थान पर 04 द्वितीय स्थान पर 02 तृतीय स्थान पर 03 चतुर्थ स्थान पर 09 एंव पंचम स्थान पर 02 प्रतिभागियो ने पुरस्कार प्राप्त किये।

सत्र IV आमंत्रित व्याख्यान –1 :– इस सत्र में विशिष्ट आमंत्रित व्याख्यानों का आयोजन किया गया इस सत्र में मुख्य अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष **प्रो0 गौरीदत्त शर्मा** थे। विशिष्ट अतिथि प्रो0 भुवनेश शर्मा ने आमंत्रित अतिथि व्याख्यान एंव कुंजी व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय **प्रो0 विरेश्वर उपाध्याय** शांति कुंज हरिद्वार ने की।

सत्र V:- आमंत्रित व्याख्यान –2 :– इस सत्र की शुरुआत **श्री चन्द्र मोहन मिश्रा** एंव उनकी टीम द्वारा शास्त्री गायन एंव वैदिक मत्रोंच्चारण के साथ हुयी। इसके उपरांत अतिथियों का स्वागत, कार्यशाला का स्मृति चिन्ह एंव कार्यशाला किट भेंट की गयी। अध्यक्षता पतंजलि विश्वविद्यालय के **कुलपति आचार्य बालकृष्णा जी** ने की इस सत्र में **डा0 गौरी दत्त शर्मा** ने मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसके पश्चात **वैदिक मानस योग** पर कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसमें छात्र–छात्राओं द्वारा आँखों में पट्टी बांधकर वस्तुओं की पहचान एवं रंगों की पहचान का प्रदर्शन किया गया। इसके उपरांत माननीय कुलपति महोदय जी द्वारा विस्तार पूर्वक कार्यशाला के महत्व पर विचार प्रस्तुत किया गया एंव ध्यान की प्रसंगिकता को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर कार्यशाला की स्मारिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यशाला के आयोजन सचिव **प्रो0डा0 ओमनारायाण तिवारी** द्वारा कार्यशाला के आयोजन स्वरुप प्रकाश डाला गया। इसके उपरांत कार्यशाला के आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रति कुलपति प्रो0 महावीर अग्रवाल जी ने समस्त अतिथियों एंव अभ्यागतों हेतु धन्यवाद उद्बोधन प्रस्तुत किया । इस प्रकार प्रथम दिवस की कार्यशाला का आयोजन पूर्ण हुआ।

द्वितीय दिवस 19 अगस्त 2023

सत्र VI ध्यान पर कार्यशालाएँः– इस सत्र में द्वितीय दिवस प्रातः 05 बजे से 06 बजे तक चयनित निम्नांकित 04 कार्यशालाओं में ध्यान अभ्यास सम्पन्न करवाया गया। जिसमें (1) पतंजलि योगपीठ परम्परा के ध्यान का अभ्यास **स्वामी आर्षदेव जी** द्वारा, (2) भावातीत ध्यान का परिचय **अभ्यास** एंव **प्रो0डॉ0 ओमनारायाण तिवारी जी** द्वारा (3) सविता ध्यान परम्परा का अभ्यास **श्री वीरेशवर उपाध्याय** वरिष्ठ साधक शांति कुंज हरिद्वार द्वारा तथा (4) हिमालयन योग परम्परा का अभ्यास **डा0 रामनरायाण मिश्रा** जी द्वारा क्रमशः ध्यान हॉल 1,2,3,4 में सम्पन्न करवाया गया।

सत्र VII यज्ञ का आयोजनः– इस सत्र में योग साधना की भारतीय परम्परा के अनुसार यज्ञ का आयोजन महिला और पुरुषों प्रतिभागियों हेतु पृथक पृथक सम्पन्न हुआ। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने भाग लिया। मंत्रोचार के साथ विधिवत् यज्ञ सम्पन्न हुआ।

सत्र VIII क्विज प्रतियोगिता :– इस सत्र में कार्यशाला के विषय पर एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 06 ग्रुपों में 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एंव पंचम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये।

सत्र IX शोध पत्र वाचन :– इस सत्र में प्रो0 पारन गौडा योग विज्ञान विभाग के निर्देशान में 10 शोधार्थियों द्वारा ध्यान पर किये गये शोधों के शोध पत्रों का वाचन किया गया।

सत्र X पुरस्कार वितरण एंव समापन समारोह :– इस सत्र में दो आमंत्रित व्याख्यान **स्वामी आर्षदेव जी** कुलानुशासक पतंजलि विश्वविद्यालय एंव **प्रो0डा0 ओमनारायाण तिवारी** अधिष्ठाता योग विज्ञान संकाय के द्वारा प्रस्तुत किये गये। इसके उपरांत शास्त्री गायन के साथ वैदिक मंत्रोच्चारण के उपरांत इस सत्र के मुख्य अतिथि **श्री विरेश्वर शर्मा जी** ने सविता ध्यान पर अपना उद्बोधन प्रदान किया। इसके उपरांत पोस्टर प्रतियोगिता एंव क्विज प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। अंत में कार्यशाला के आयोजन सचिव प्रो0डा0 ओमनारायाण तिवारी संकायाध्यक्ष योग विज्ञान संकाय ने दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का विस्तृत प्रतिवेदन मंच के पटल पर प्रस्तुत किया। इसके उपरांत धन्यवाद ज्ञापन प्रति– कुलपति **प्रो0 महावीर अग्रवाल** ने प्रस्तुत किया। वैदिक शांति मंत्र के उच्चारण के साथ कार्यशाला का समाापन पूर्ण किया गया।

11/03/2023

प्रो0 डा0 ओमनारायाण तिवारी
आयोजन सचिव
अधिष्ठाता योग विज्ञान संकाय
पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

देहरादून | रविवार • 20.08.2023
अमर उजाला 02
amarujala.com/haridwar

आयोजन

पतंजलि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन

'ध्यान से शारीरिक व मानसिक एकाग्रता बढ़ती है'

माई सिटी रिपोर्टर

हरिद्वार। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। अंतर विश्वविद्यालय योग केंद्र बेंगलुरू की ओर से इस कार्यशाला में 'समग्र स्वास्थ्य के लिए भारतीय ध्यान पद्धति' विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों के वक्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि अष्टांग योग में ध्यान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। प्राचीन भारतीय चिकित्सा में ध्यान को व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास तथा विविध रोगों के उपचार भी किया जाता है।

साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी मेघालय के कुलपति प्रो. गौरीदत्त शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ध्यान से आंतरिक मन में झांकने तथा शरीर व मन को आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करने के लिए दृढ़ता मिलती है। विशिष्ट अतिथि महर्षि महेश योगी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा ने ध्यान एवं महर्षि महेश योगी के कार्यों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। शांतिकुंज, हरिद्वार के आध्यात्मिक साधक वीरेश्वर उपाध्याय ने सविता ध्यान तथा डॉ. राजनारायण मिश्र ने हिमालयी ध्यान परंपरा पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

पतंजलि विवि में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते आचार्य बालकृष्ण। स्रोत-संस्थान

दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन पर पंतजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव ने शुभकामना संदेश दिया। इस दौरान विवि के प्रति-कुलपति प्रो. डॉ. महावीर अग्रवाल, साध्वी देवप्रिया, स्वामी आर्षदेव, डॉ.पारण गौड़ा, वीके कटियार, प्रो. डॉ. ओम नारायण तिवारी, आचार्य चंद्रमोहन मिश्र, डॉ. निवेदिता, डॉ. निधीश, डॉ. रुद्र भंडारी, डॉ. विपिन दूबे, डॉ. संदीप, डॉ. आरती यादव, आचार्य गौतम, डॉ. विनय शर्मा,

प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में योग विज्ञान की लक्ष्मी प्रथम

कार्यशाला में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर एमएससी योग विज्ञान की कुमारी लक्ष्मी, ऋचा कुमारी, साक्षी रहीं। इसी तरह द्वितीय स्थान पर एमए प्रथम वर्ष की प्राची, सूरज और अनुप्रिया तथा तीसरे स्थान पर बीए अंतिम वर्ष की प्रज्ञा, सदीक्षा और दुर्गेश रहे। पोस्टर में बीएससी की छात्राएं अदिति गुप्ता, वाणी वर्मा, दिव्यांशी तथा पूजा प्रथम स्थान पर रहीं। द्वितीय स्थान पर साक्षी शर्मा व विजय लक्ष्मी ने बाजी मारी।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
देहरादून
रविवार
20 अगस्त 2023
07

ध्यान से एकाग्रता में होती है वृद्धि : बालकृष्ण

हरिद्वार, संवाददाता। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि अष्टांग योग में ध्यान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। ध्यान से शारीरिक और मानसिक एकाग्रता में वृद्धि होती है। प्राचीन भारतीय चिकित्सा में ध्यान को व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास और विविध रोगों के उपचार के लिए उपयोग किया जाता रहा है। यह बातें आचार्य ने दो दिवसीय कार्यशाला के समापन के दौरान कहीं।

शनिवार को पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित 'समग्र स्वास्थ्य के लिए भारतीय ध्यान पद्धति' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। इस दौरान आचार्य बालकृष्ण ने ध्यान की नई पद्धतियों के आविष्कार की घोषणा की। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी मेघालय के कुलपति और भारतीय विश्वविद्यालयीय संघ के अध्यक्ष प्रो. गौरीदत्त शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय विश्वविद्यालयीन संघ (एआईयू) की भूमिका को रेखांकित किया। साथ ही कहा कि ध्यान से आंतरिक मन में झांकने, शरीर और मन को आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करने की दृढ़ता मिलती है। दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव ने शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एमएससी योग विज्ञान की कुमारी लक्ष्मी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता में बीएससी की छात्रा अदिति गुप्ता, वाणी वर्मा, दिव्यांशी और पूजा प्रथम स्थान पर रही। इस मौके पर महर्षि महेश योगी, प्रो. भुवनेश शर्मा, वीरेश्वर उपाध्याय, डॉ. राजनारायण मिश्र, प्रो. डॉ. महावीर अग्रवाल, साध्वी आचार्या देवप्रिया, स्वामी आर्षदेव, डॉ. पारण गौड़ा, विके कटियार, प्रो. डॉ. ओम नारायण तिवारी, आचार्य चंद्रमोहन मिश्र, डॉ. निवेदिता, डॉ. निधीश, डॉ. रूद्र भंडारी, डॉ. विपिन दूबे, डॉ. संदीप, डॉ. आरती यादव, आदि उपस्थित रहे।

हरिद्वार स्थित पतंजलि विवि में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम को आचार्य बालकृष्ण ने संबोधित किया। • हिन्दुस्तान

देहरादून। रविवार • 20 अगस्त • 2023 | राष्ट्रीय सहारा | WW

ध्यान से बढ़ती है मानसिक एकाग्रता : बालकृष्ण

हरिद्वार। पतंजलि विवि में विवि अनुदान आयोग के अंतर विवि योग केन्द्र बेंगलूरू द्वारा 'समग्र स्वास्थ्य के लिए भारतीय ध्यान पद्धति' विषय पर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि साइंस एंड टेक्नलॉजी यूनिवर्सिटी मेघालय के कुलपति एवं भारतीय विवि संघ के अध्यक्ष प्रो. गौरीदत्त शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय विवि संघ (एआईयू) की भूमिका को रेखांकित किया। अध्यक्षता करते हुए पतंजलि विवि के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि अष्टांग योग में ध्यान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि ध्यान से शारीरिक और मानसिक एकाग्रता में वृद्धि होती है। प्राचीन भारतीय चिकित्सा में ध्यान को व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास व विविध रोगों के उपचार में किया जाता रहा है। कार्यशाला में आचार्य ने ध्यान की नई पद्धतियों के अविष्कार की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि महर्षि महेश योगी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.भुवनेश शर्मा ने भावातीत ध्यान एवं महर्षि महेश योगी के कार्यों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। शांतिकुंज, हरिद्वार के आध्यात्मिक साधक वीरेश्वर उपाध्याय ने सविता ध्यान तथा डा. राजनारायण मिश्र ने हिमालयीन ध्यान परम्परा पर कार्यशाला संचालित की।

पतंजलि विवि में राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

कार्यशाला में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एमएससी योग विज्ञान की लक्ष्मी, ऋचा, साक्षी, एमए प्रथम वर्ष की प्राची, सूरज, अनुप्रिया, बीए अंतिम वर्ष की प्रज्ञा, सदीक्षा, दुर्गेश और पोस्टर प्रतियोगिता में बीएससी की अदिति गुप्ता, वाणी वर्मा, दिव्यांशी, पूजा, एमएससी की साक्षी शर्मा, विजय लक्ष्मी, एमएससी की साक्षी बसाता, पूर्वा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किया।

हरिद्वार : पतंजलि विवि में राष्ट्रीय कार्यशाला में सम्मानित करते आचार्य बालकृष्ण।

कार्यशाला के सफल आयोजन पर पंतजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव ने शुभमानाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति के अध्यक्ष विवि के प्रति-कुलपति प्रो. डा. महावीर अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

कार्यशाला में कुलानुशासिका एवं मानविकी व प्राच्य विद्या अध्ययन संकाय की अध्यक्षा साध्वी आचार्या देवप्रिया, कुलानुशासक स्वामी आर्षदेव, डा. पारण गौड़ा, डीन अकेडमिक एवं रिसर्च वीके कटियार, योग विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो.ओम नारायण तिवारी, संगीत विभाग के आचार्य चन्द्रमोहन मिश्र,डा. निवेदिता, डा. निधीश, डा. रूद्र भण्डारी, डा. विपिन दुबे, डा. संदीप, डा. आरती यादव, आचार्य गौतम, डा. विनय शर्मा, डा. लक्ष्मी शंकर रथ, डा. मोनिका, डा. सलोनी, डा. कपिल शास्त्री, डा. वैशाली गौड़, डा. आरती पाल, डा. अंजू, डा. अल्का गिरि आदि रहीं।

4 दैनिक जागरण देहरादून/हरिद्वार,20 अगस्त, 2023

ध्यान से शारीरिक एकाग्रता में होती है वृद्धि

पतंजलि विवि में 'समग्र स्वास्थ्य के लिए भारतीय ध्यान पद्धति' कार्यशाला का समापन

जागरण संवाददाता, हरिद्वार: पतंजलि विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अंतर विश्वविद्यालयीय योग केंद्र बैंगलुरू की ओर से 'समग्र स्वास्थ्य के लिए भारतीय ध्यान पद्धति' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। बतौर मुख्य अतिथि साइंस एंड टेक्नोलाजी यूनिवर्सिटी मेघालय के कुलपति और भारतीय विश्वविद्यालयीय संघ के अध्यक्ष प्रो. गौरीदत्त शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में एसोसिएशन आफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआइयू) की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ध्यान से आंतरिक मन में झांकने तथा शरीर और मन को आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करने के लिए दृढ़ता मिलती है।

पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला के समापन पर मुख्य अतिथि साइंस एंड टेक्नोलाजी यूनिवर्सिटी मेघालय के कुलपति और भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष प्रो गौरीदत्त शर्मा को सम्मानित करते आचार्य बालकृष्ण • पतंजलि

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि अष्टांग योग में ध्यान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि ध्यान से शारीरिक और मानसिक एकाग्रता में वृद्धि होती है। प्राचीन भारतीय चिकित्सा में ध्यान को व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास तथा विविध रोगों के उपचार में किया जाता रहा है। विशिष्ट अतिथि महर्षि महेश योगी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा ने भावातीत ध्यान और महर्षि महेश योगी के कार्यों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। शांतिकुंज के आध्यात्मिक साधक वीरेश्वर उपाध्याय ने सविता ध्यान तथा डा. राजनारायण मिश्र ने हिमालयीन ध्यान परंपरा पर कार्यशाला संचालित की, जिसमें आयोजित प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान पर एमएससी योग विज्ञान की कुमारी लक्ष्मी, ऋचा कुमारी, साक्षी, द्वितीय स्थान पर एमए प्रथम वर्ष की प्राची, सूरज और अनुप्रिया तथा तीसरे स्थान पर बीए अंतिम वर्ष की प्रज्ञा, सदीक्षा और दुर्गेश रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में बीएससी की छात्राएं अदिति गुप्ता, वाणी वर्मा, दिव्यांशी तथा पूजा प्रथम स्थान पर रही। द्वितीय स्थान पर एमएससी की छात्राएं साक्षी शर्मा व विजय लक्ष्मी ने बाजी मारी। एमएससी की छात्रा साक्षी बसाता तथा पूर्वा को तृतीय स्थान से संतोष करना पड़ा। दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन पर पंतजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगगुरु बाबा रामदेव ने शुभमानाएं दी।

University of Patanjali
Haridwar
Two Days National Workshop
on
समग्र स्वास्थ्य के लिए भारतीय ध्यान पद्धति
Indian Meditation System for Holistic Health
18-19 August 2023
Prof. Gauri Dutt Sharma
Chairman
Association of Indian Universities (AIU)
Shri Veereshwar Upadhyay
Spiritual Guru
Shanti Kunj, Haridwar
Prof. Bhuvnesh Sharma
Vice-Chancellor
M. M. Yogi Vedic Vishwavidyalaya
Prof. Avinash Chandra Pandey
Director Inter University
Accelerator Center, UGC, New Delhi
Prof. Mahavir Agarwal
Pro. Vice-Chancellor
University of Patanjali
Prof. Sadhvi Devpriya
Dean, Faculty of Humanities & Ancient Studies
University of Patanjali
Swami Aarshdev
Proctor
University of Patanjali
Dr. Ramnarayan Mishra
Head Dept. of Ayurveda Center
Swami Rama Himalayan University
Prof. Omnarayan Tiwari
Dean Faculty of Yoga Science & Org. Secretary
University of Patanjali
Dr. Nirvikar
Registar
University of Patanjali

University of Patanjali
Haridwar
Two Days National Workshop
on
समग्र स्वास्थ्य के लिए भारतीय ध्यान पद्धति
Indian Meditation System for Holistic Health
18-19 August 2023
Program Schedule :
Meditation Workshop & Yajya - 5:00am to 7:30am
Poster Presentation and Quiz Competition - 2:00pm to 3:00pm
Guest Lecture - 3:00pm to 6:00pm
Sponsored by ; University Grants Commission (UGC) New Delhi
Inter University Centre for Yogic Science (Government of India, Ministry of Education)
Organized by ;
DEPARTMENT OF YOGA SCIENCE
Our Knowledge Partners are;

UNIVERSITY OF PATANJALI, HARIDWAR

Two Day's National Workshop on Indian Meditation Practices for Holistic Health
Program Schedule Day 1-(18 August 2023)
Session - I (Inauguration)

S.N.	Events	Time	Programs	Venue
		Session I		
1	**Meditation Workshop**	5:00 a.m. to 6:30 a.m.	Meditation for all the Participants	Hall 1- Patanjali Yogpeeth Tradition Hall 2- Transcendental Meditation (TM) Hall 3- Savita Meditation (Shantikunj Tradition) Hall 4- Himalayan Tradition of Meditation
		Session II		
2	**Yajya**	6:30 a.m. to 7:45 a.m.	Yajya	Dept. of Yoga Science, University of Patanjali
3	**Tea Break**	7:45 a.m. to 8:00 a.m.	For all	University Mess
5	**Lunch**	12:00 pm to 2:00 pm	For all	University Mess
		Session III		
6	**Poster Presentation**	2:00 pm to 3:00 pm		Yoga Practice Hall-1,2,3,4
		Session IV		
7	**Special Invited Lecture**	3:00 pm to 4:30 pm	Special Invited Lecture	Auditorium 1. Prof. Gauri Dutt Sharma 2. Prof. Bhuvnesh Sharma 3.Mahavir Agrawal
8	**Tea Break**	4:30 pm to 4:40 pm	For all	University Mess
		Session V		
9	**Special Invited Lecture**	4:40 pm to 6:00 pm	Special Invited Lecture	Auditorium 1.Prof. Veereshwar Upadhyay 2. Prof. Avinash Chandra Pandey 3. Prof. Mahavir Agarwal
10	**Dinner**	7:00 pm to 8:00 pm	For all	University Mess

Day 2-(19 August 2023)
Session - X (Valedictory Function)

S.N	Event	Time	Program	Venue
		Session VI		
1	**Meditation Workshop**	5:00 a.m. to 6:30 a.m.	Meditation for all the Participants	Hall 1- Patanjali Yogpeeth Tradition Hall 2- Transcendental Meditation (TM) Hall 3- Savita Meditation Hall 4- Himalayan Tradition of Meditation
		Session VII		
2	**Yajya**	6:30 a.m. to 7:45 a.m.	Yajya	Dept. of Yoga Science, University of Patanjali
3	**Tea Break**	7:45 a.m. to 8:00 a.m.	For all	University Mess
5	**Lunch**	12:00 pm to 2:00 pm	For all	University Mess
		Session VIII		
6	**Quiz Competition**	2:00 pm to 3:00 pm		Yoga Practice Hall-1,2,3,4
		Session IX		
7	**Special Invited Lecture**	3:00 pm to 4:30 pm	Special Invited Lecture	Auditorium 1. Prof. Mahavir Agarwal 2. Sadhvi Devpriya Ji
8	**Tea Break**	4:30 pm to 4:40 pm	For all	University Mess
		Session X		
9	**Special Invited Lecture (Valedictory)**	4:40 pm to 6:00 pm	Special Invited Lecture (Valedictory)	Auditorium 1. Prof. Omnarayan Tiwari 2. Swami Arashdev Ji
10	**Dinner**	7:00 pm to 8:00 pm	For all	University Mess

UNIVERSITY OF PATANJALI
Delhi-Haridwar National Highway, Near Bahadrabad, Haridwar-249405
Mobile : 9313186405, 9425838247
Web: www.universityofpatanjali.com Email : omnarayan.tiwari@aup.edu.in

Two Days National Workshop
on
समग्र स्वास्थ्य के लिए भारतीय ध्यान पद्धति
Indian Meditation System for Holistic Health
18-19 August 2023
Program Schedule
Sponsored by : University Grants Commission (UGC) New Delhi
Inter University Centre for Yogic Science (Government of India, Ministry of Education)
Organized by :
Department of Yoga Science
Our Knowledge Partners are:

Haridwar
on

Meditation Session by Sh. Visheshwar upadhyaya,
Dev Sanskriti University, Haridwar

Students of university of Patanjali: Collective Meditation

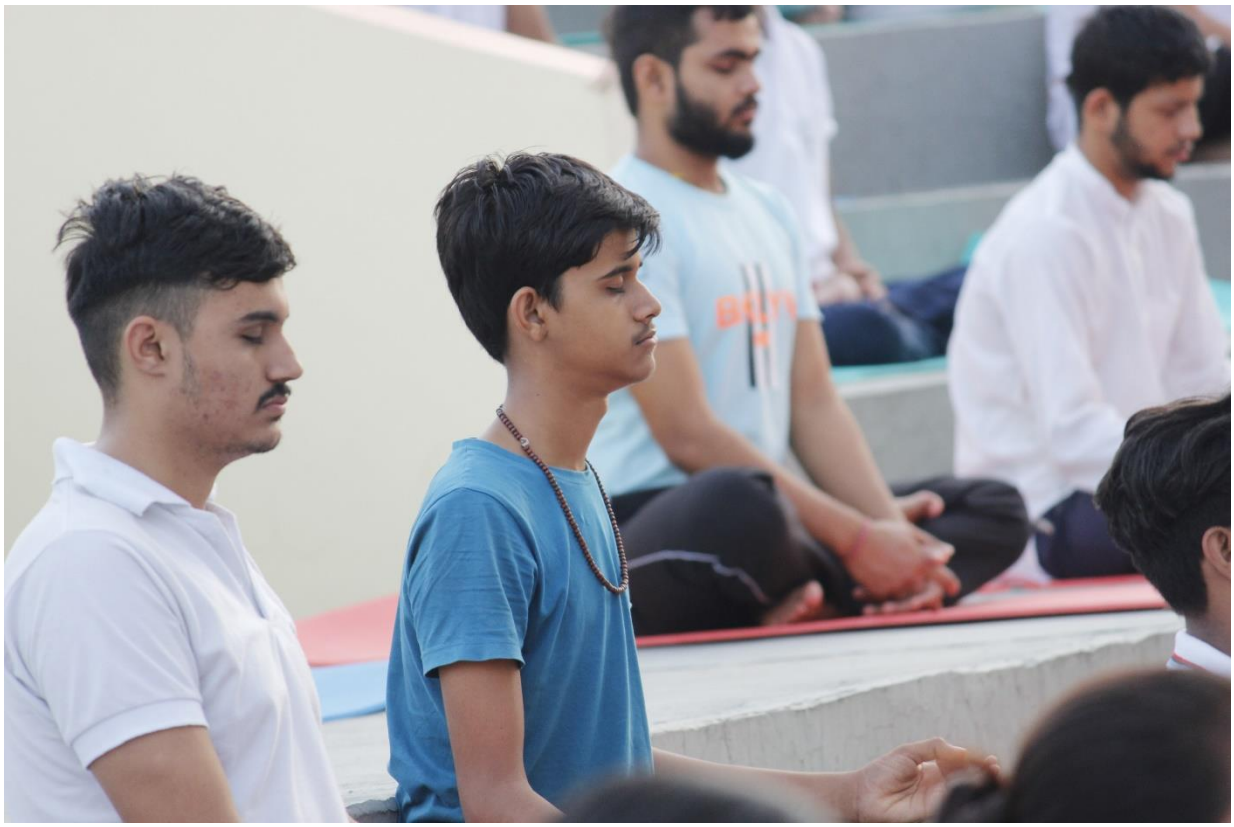

Poster Presentation with Award Ceremony

Staff of University of Patanjali with Guests

Category-Wise Budget Allocation- Seminar

S. No	Criteria	Description	Maximum allowed Value	Maximum Financial Limit
1	Material for participants	200	250	50000
2	Hall charges	Actual charges or up to: Rs. 25,000/- per day for metro cities, Rs. 15,000/- per day for A class city, Rs. 10,000/- per day for B and C class city	1	25000
3	Accommodation for Resource persons	Per head actual charges or upto maximum for two days	5	30,000
		Rs 3000/- per day for metro cities		
		Rs 2000/- per day for A class city		
		Rs 1500/- per day for B and C class city		
		Rs 750/- per day for rural area		
4	TA/DA to Resource persons	As per Government of India Rules	As per Rule	As per Rule
5	Honorarium to Resource persons	Rs 3000/- per Resource person (Maximum Five Resource persons)	5	15000
6	Working Lunch	Not more than 300/- per head	250	75000
7	Professional Rapporteur	Rs 2000/- to 2500/- as per expertise of Rapporteur (Maximum two Rapporteur)	2	5000
8	Misc.expenditure (including photography,banner,postage,ministerial assistance etc.)	Not more than 15000	1	15000